चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 10.3.2021...पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....2.5.....

19 प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले का शुभारंभ हुआ। मेला में नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद उप महानिदेशक (कृषि विस्तार) डा. एके सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। मेले का मुख्य विषय फसल विविधिकरण रखा गया है। मुख्य अतिथि ने कहा कि हरियाणा में आज भी बहुत से किसान गेहूं-चावल की परम्परागत खेती कर रहे हैं। जिससे उनको खेती से अधिक आमदनी नहीं हो पा रही है। खेत से अधिक पैदावार व आमदनी के लिए हमें परम्परागत खेती छोडक़र कृषि विविधीकरण को अपनाना होगा। औद्योगीकरण एवं शहरीकरण के कारण कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है। किसानों को कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए नई तकनीकों से अवगत कराने की आवश्यकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वर्चुअल कृषि मेले में मौजूद कुलपति डा. समर सिंह वह अन्य। • जागरण

इन किसानों को किया गया सम्मानित

किसान	जिला	कार्य
शमसेर	अंबाला	एकीकृत खेती मॉडल
अजय कुमार	बावल	एकीकृत खेती सिस्टम
चंद्रभान	भिवानी	एकीकृत खेती सिस्टम
गोपी चंद रावत	फरीदाबाद	कृषि विविधिकरण सिस्टम
मनीष कुमार	फतेहाबाद	एकीकृत खेती सिस्टम
सिद्धार्थ महलान	झज्जर	डेयरी एवं जैविक खेती
इश्वर	जींद	जैविक खेती
राजबीर सिंह	कैथल	जैविक खेती
जगत सिंह	करनाल	जैविक खेती
सुरजीत सिंह	कुरुक्षेत्र	कृषि विविधिकरण सिस्टम एवं डीएसआर
बीर सिंह	मंडकोला	एकीकृत खेती सिस्टम
विक्रम	महेंद्रगढ़	एकीकृत खेती सिस्टम
सतपाल सिंह	पानीपत	फसल विविधिकरण
अभिषेक	रोहतक	मधुमक्खी पालन
मनोहर लाल	सदलपुर	फलों की नर्सरी
रमेश कुमार	सिरसा	वर्मी कंपोस्ट
सुमेर	सोनीपत	जैविक खेती
सुभाष	यमुनानगर	मधुमक्खी पालन
विक्रम सिंह	पंचकूला	एकीकृत खेती सिस्टम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 10.3.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5.7.....

अधिक पैदावार व आमदनी के लिए फसल विविधिकरण समय की मांग : डॉ. एके सिंह

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है। इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है। हरियाणा प्रदेश के अलग से अस्तित्व में आने के बाद फसलों का उत्पादन बढ़ा है और हरित क्रांति का उपयोग हरियाणा प्रदेश के किसानों ने सबसे ज्यादा उत्पादन करके देश के खाद्यान भंडार भरे हैं। उक्त विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. एके सिंह ने बतौर मुख्यातिथि मेले के ऑनलाइन उद्घाटन अवसर पर कहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। मेले का मुख्य विषय 'फसल विविधिकरण' रखा गया है। मुख्यातिथि ने कहा कि एचएयू का विस्तार शिक्षा निदेशालय अपने कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से विस्तार गतिविधियों जैसे प्रदर्शन प्लाट, प्रशिक्षण, खेत दिवस, किसान-वैज्ञानिक परिचर्चा, लघु किसान मेले आदि के द्वारा किसानों को समय-समय पर कृषि विविधिकरण के बारे में जागरूक कर रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........

दिनांक 10.3.2021 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 1-6

'आमदनी बढ़ाने के लिए विविधीकरण अपनाएं'

एचएयू के वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) का भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उपमहानिदेशक ने किया शुभारंभ

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा में आज भी बहुत से किसान गेहूं-चावल की परंपरागत खेती कर रहे हैं, जिससे उनको खेती से अधिक आमदनी नहीं हो पा रही है। खेत से अधिक पैदावार व आमदनी के लिए हमें परंपरागत खेती छोड़कर कृषि विविधीकरण को अपनाना होगा।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेले के उद्घाटन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उपमहानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. एके सिंह ने बतौर मुख्यातिथि कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने की। मेले का मुख्य विषय 'फसल विविधीकरण' रखा गया है। मुख्यातिथि ने कहा कि किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित जीरो-टिलेज, लेजर लेवलिंग, बैड प्लांटिंग, ड्रिप व फव्वारा सिंचाई पद्धति, बायोगैस प्लांट, वर्मी कंपोस्टिंग, हरी खाद आदि को अपनाने की आवश्यकता है। कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक किसानों को प्रेरित करें कि वे नई-नई तकनीकों को अपनाएं, ताकि भारत सरकार का किसानों की आय 2022 तक दोगुनी करने का लक्ष्य प्राप्त हो सके।

कृषि मेले के दौरान पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य।

जलवायु परिवर्तन कृषि के लिए बड़ी चुनौती

जलवायु परिवर्तन कृषि के लिए अनेक समस्याएं उत्पन्न कर रहा है, जो हमारे खाद्य उत्पादन को प्रभावित कर रहा है। बढ़ती आबादी व बदलते जलवायु में पैदावार को किस तरह बढ़ाएं यह सब उपाय करने की जिम्मेदारी कृषि वैज्ञानिकों के कंधों पर है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे जल संसाधनों का बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय और उन्नत तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबंध करने का आह्वान किया। उन्होंने कोरोना आपदा को अवसर में बदलकर वर्चुअल मेले के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व प्रशासन की सराहना की। कार्यक्रम में सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर एक-एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया गया और दो पुस्तकों का विमोचन किया गया।

विवि को मिल चुकी 17 पेटेंट की स्वीकृति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि हमारे वैज्ञानिकों ने फसलों, फलों, सब्जियों व चारे का अधिक उत्पादन देने वाली, रोगरोधी व कम समय में पककर तैयार होने वाली लगभग 255 किस्मों का विकास किया है। विश्वविद्यालय हर वर्ष विभिन्न फसलों का करीब 19500 क्विंटल से अधिक उन्नत बीज पैदा करके राज्य के विभिन्न निगमों व किसानों को वितरित करता है। विश्वविद्यालय ने अपनी 43 नई तकनीकों पर पेटेंट प्राप्त करने के लिए भारतीय पेटेंट कार्यालय में आवेदन किया है, जिनमें से 17 की स्वीकृति मिल चुकी है। वर्चुअल कृषि मेले के लिए करीब 50 हजार किसान अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करवा चुके हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 10.3.2021....पृष्ठ संख्या.....7.....कॉलम.....3-4.....

एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेला शुरू

कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व अन्य।

हिसार, 9 मार्च (सुरेंद्र सोढी) : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेला शुरू हुआ। मेले का मुख्य विषय 'फसल विविधिकरण' रखा गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. ए.के. सिंह ने बतौर मुख्यातिथि मेले में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने की। डा. ए.के. सिंह ने कहा कि हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है तथा इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है। हरियाणा प्रदेश के अलग से अस्तित्व में आने के बाद फसलों का उत्पादन बढ़ा है तथा हरित क्रांति का उपयोग हरियाणा प्रदेश के किसानों ने सबसे ज्यादा करके देश के खाद्यान भंडार भरे हैं। इस दौरान सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर एक-एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया गया। साथ ही दो पुस्तकों का भी विमोचन किया गया। वर्चुअल कृषि मेले के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी, सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, प्रबंधन मंडल के विभिन्न सदस्य, विभागाध्यक्ष सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज, देश व प्रदेश के किसानों ने शामिल होकर मेले की शोभा बढ़ाई।

नई तकनीक पर किसानों को प्रेरित करें वैज्ञानिक : कुलपति

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों को प्रेरित करें कि वे नई-नई तकनीकों को अपनाएं ताकि भारत सरकार का किसानों की आय 2022 तक दुगुनी करने का लक्ष्य प्राप्त हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा केसरी	**10.03.2021**	--	--

सिरसा केसरी

ब्रीफ न्यूज

10 मार्च तक होगा वर्चुअल कृषि मेला-2021 का आयोजन

सिरसा। चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ)-2021 का आयोजन किया जा रहा है, यह कृषि मेला 10 मार्च तक चलेगा।

उपायुक्त प्रदीप कुमार ने बताया कि सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा वर्चुवल कृषि मेला आयोजित किया जा रहा है, जिसकी थीम फसल विविधिकरण है। मेले के दौरान वर्चुअल एग्रो इंडस्ट्रियल का भी आयोजन किया जा रहा है। वर्चुअल किसान मेले से किसानों को कृषि, पशुपालन और होम साइंस की आधुनिक तकनीकी की जानकारी दी जा रही है। मेले के दौरान कृषि वैज्ञानिक किसानों की समस्या का समाधान भी करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**09.03.2021**	--	--

अधिक पैदावार व आमदनी के लिए फसल विविधिकरण समय की मांग : डॉ. सिंह

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वचुअल कृषि मेला का शुभारंभ

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है तथा इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है। हरियाणा प्रदेश के अलग से अस्तित्व में आने के बाद फसलों का उत्पादन बढ़ा है तथा हरित क्रांति का उपयोग हरियाणा प्रदेश के किसानों ने सबसे ज्यादा करके देश के खाद्यान भंडार भरे हैं। हरित क्रांति के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सब किसानों एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयास से ही सम्भव हो पाया है। हरियाणा में आज भी बहुत से किसान गेहूं-चावल की परम्परागत खेती कर रहे हैं जिससे उनको खेती से अधिक आमदनी नहीं हो पा रही है। उक्त विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. ए. के. सिंह ने बतौर मुख्यातिथि मेले के ऑनलाइन उद्घाटन अवसर पर कहे।

मुख्यातिथि ने कहा कि किसानों को कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए नई तकनीकों से अवगत कराने की आवश्यकता है। किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित जीरो-टिलेज, लेजर लैवलिंग, बैड प्लांटिंग, ड्रिप व फव्वारा सिंचाई पद्धति, बायो गैस प्लांट, वर्मी कम्पोस्टिंग, हरी खाद आदि को अपनाने की आवश्यकता है। कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक किसानों को प्रेरित करें कि वे नई-नई तकनीकों को अपनाएं।

कुलपति समर सिंह बताया कि हमारे वैज्ञानिकों ने फसलों, फलों, सब्जियों व चारे का अधिक उत्पादन देने वाली, रोगरोधी व कम समय में पककर तैयार होने वाली लगभग 255 किस्मों का विकास किया है। प्रदेश में उन्नत बीज उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय हर वर्ष विभिन्न फसलों का करीब 19500 क्विंटल से अधिक उन्नत बीज पैदा करके राज्य के विभिन्न निगमों व किसानों को वितरित करता है। शोध कार्यक्रमों को कृषि की बदली परिस्थितियों के अनुसार बढ़ावा देने तथा कृषि की लाभकारी तकनीकों के व्यावसायीकरण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर कुल 527 द्विपक्षीय समझौते किए गए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**09.03.2021**	--	--

समस्त हरियाणा मंगलवार, 9 मार्च, 2021

अधिक पैदावार व आमदनी के लिए फसल विविधिकरण समय की मांग : डॉ. सिंह

एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले का शुभारंभ

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है तथा इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है। हरियाणा प्रदेश के अलग से अस्तित्व में आने के बाद फसलों का उत्पादन बढ़ा है तथा हरित क्रांति का उपयोग हरियाणा प्रदेश के किसानों ने सबसे ज्यादा करके देश के खाद्यान भंडार भरे हैं। हरित क्रांति के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

यह सब किसानों एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयास से ही सम्भव हो पाया है। हरियाणा में आज भी बहुत से किसान गेहूं-चावल की परम्परागत खेती कर रहे हैं जिससे उनको खेती से अधिक आमदनी नहीं हो पा रही है। खेत से अधिक पैदावार व आमदनी के लिए हमें परम्परागत खेती छोड़कर कृषि विविधीकरण को अपनाना होगा। उक्त विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. ए.के. सिंह ने बतौर मुख्यातिथि मेले के ऑनलाइन उद्घाटन अवसर पर कहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। मेले का मुख्य विषय 'फसल विविधिकरण' रखा गया है। मुख्यातिथि ने कहा कि एचएयू का विस्तार शिक्षा निदेशालय अपने कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से विस्तार गतिविधियों जैसे प्रदर्शन प्लाट, प्रशिक्षण, खेत दिवस, किसान-वैज्ञानिक परिचर्चा, लघु किसान मेले आदि के द्वारा किसानों को समय-समय पर कृषि विविधीकरण के बारे में जागरूक कर रहा है। औद्योगीकरण एवं शहरीकरण के कारण कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है।

यह रहे मौजूद

वर्चुअल कृषि मेले के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी, सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, प्रबंधन मंडल के विभिन्न सदस्य, विभागाध्यक्ष सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज, देश व प्रदेश के किसानों ने ऑनलाइन व ऑफलाइन रूप से शामिल होकर मेले की शोभा बढ़ाई।

नई तकनीकों को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित करें वैज्ञानिक : प्रो. समर सिंह

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मेले के विधिवत शुभारंभ पर मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए मेले की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमारे वैज्ञानिकों ने फसलों, फलों, सब्जियों व चारे का अधिक उत्पादन देने वाली, रोगरोधी व कम समय में पककर तैयार होने वाली लगभग 255 किस्मों का विकास किया है। प्रदेश में उन्नत बीज उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय हर वर्ष विभिन्न फसलों का करीब 19500 क्विंटल से अधिक उन्नत बीज पैदा करके राज्य के विभिन्न निगमों व किसानों को वितरित करता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय किसानों की समस्या के समाधान के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों को प्रेरित करें कि वे नई-नई तकनीकों को अपनाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**09.03.2021**	--	--

कृषि विविधीकरण को अपनाना होगा : डॉ. सिंह

हिसार/09 मार्च/रिपोर्टर

हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है तथा इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है। प्रदेश के अलग से अस्तित्व में आने के बाद फसलों का उत्पादन बढ़ा है तथा हरित क्रांति का उपयोग हरियाणा के किसानों ने सबसे ज्यादा करके देश के खाद्यान भंडार भरे हैं। हरित क्रांति के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सब किसानों एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयास से ही सम्भव हो पाया है। हरियाणा में आज भी बहुत से किसान गेहूं-चावल की परम्परागत खेती कर रहे हैं जिससे उनको खेती से अधिक आमदनी नहीं हो पा रही है। खेत से अधिक पैदावार व आमदनी के लिए हमें परम्परागत खेती छोड़कर कृषि विविधीकरण को अपनाना होगा। उक्त विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. एके सिंह ने बतौर मुख्यातिथि मेले के ऑनलाईन उद्घाटन अवसर पर कहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। मेले का मुख्य विषय 'फसल विविधिकरण' रखा गया है। मुख्यातिथि ने कहा कि एचएयू का विस्तार शिक्षा निदेशालय अपने कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से विस्तार

गतिविधियों जैसे प्रदर्शन प्लॉट, प्रशिक्षण, खेत दिवस, किसान-वैज्ञानिक परिचर्चा, लघु किसान मेले आदि के द्वारा किसानों को समय-समय पर कृषि विविधीकरण के बारे में जागरूक कर रहा है। औद्योगीकरण एवं शहरीकरण के कारण कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है। किसानों को कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए नई तकनीकों से अवगत कराने की आवश्यकता है। किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित जीरो-टिलेज, लेज़र लैवलिंग, बैड प्लांटिंग, ड्रिप व फव्वारा सिंचाई पद्धति, बायो गैस प्लांट, वर्मी कम्पोस्टिंग, हरी खाद आदि को अपनाने की आवश्यकता है। कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक किसानों को प्रेरित करें कि वे नई-नई तकनीकों को अपनाएं ताकि भारत सरकार का किसानों की आय 2022 तक दुगुनी करने का लक्ष्य प्राप्त हो सके। जलवायु परिवर्तन कृषि के लिए अनेक समस्याएं उत्पन्न कर रहा है, जो हमारे खाद्य उत्पादन को प्रभावित कर रहा है। बढ़ती आबादी व बदलते जलवायु में पैदावार को किस तरह बढ़ाएं यह सब उपाय करने की जिम्मेदारी हमारे कृषि वैज्ञानिकों के कंधों पर है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे जल संसाधनों का बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय तथा उन्नत तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबन्ध कर सकते हैं। साथ ही बूंद-बूंद पानी का सदुपयोग करें तथा ऐसा करने के लिए भूमिगत पाईप लाइन, टपका सिंचाई तथा फव्वारा सिंचाई जैसी पद्धतियां अपनाएं। डॉ. सिंह ने कोरोना काल में संकट की घड़ी को अवसर में बदलकर इस विशाल वर्चुअल मेले के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व प्रशासन की सराहना की और कहा कि विश्वविद्यालय सदैव किसानों के हित के लिए प्रयासरत रहता है। इस अवसर पर सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर एक-एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया गया। साथ ही दो पुस्तकों का भी विमोचन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**09.03.2021**	--	--

अधिक पैदावार व आमदनी के लिए फसल विविधिकरण समय की मांग : डॉ. ए.के. सिंह

एचएयू के दो दिवसीय वचुअल कृषि मेला (खरीफ) का विधिवत शुभारंभ

टूडे न्यूज | हिसार

हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है तथा इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है। हरियाणा प्रदेश के अलग से अस्तित्व में आने के बाद फसलों का उत्पादन बढ़ा है तथा हरित क्रांति का उपयोग हरियाणा प्रदेश के किसानों ने सबसे ज्यादा करके देश के खाद्यान भंडार भरे हैं। हरित क्रांति के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सब किसानों एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयास से ही सम्भव हो पाया है।

वर्चुअल कृषि मेले का विधिवत उद्घाटन करते मुख्यातिथि डॉ. ए.के. सिंह व कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर. एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. तहलावत व अन्य। पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।

इन्होंने भी बढ़ाई कार्यक्रम की शोभा

वर्चुअल कृषि मेले के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी, सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, प्रबंधन मंडल के विभिन्न सदस्य, विभागाध्यक्ष सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज, वेश व प्रदेश के किसानों ने ऑनलाइन व ऑफलाइन रूप से शामिल होकर मेले की शोभा बढ़ाई।

हरियाणा में आज भी बहुत से किसान गेहूं-चावल की परम्परागत खेती कर रहे हैं जिससे उनको खेती से अधिक आमदनी नहीं हो पा रही है। खेत से अधिक पैदावार व आमदनी के लिए हमें परम्परागत खेती छोडक़र कृषि विविधीकरण को अपनाना होगा। उक्त विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. ए.के. सिंह ने बतौर मुख्यातिथि मेले के ऑनलाइन उद्घाटन अवसर पर कहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। मेले का मुख्य विषय 'फसल विविधिकरण' रखा गया है। मुख्यातिथि ने कहा कि एचएयू का विस्तार शिक्षा निदेशालय अपने कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से विस्तार गतिविधियों जैसे प्रदर्शन प्लाट, प्रशिक्षण, खेत दिवस, किसान-वैज्ञानिक परिचर्चा, लघु किसान मेले आदि के द्वारा किसानों को समय-समय पर कृषि विविधीकरण के बारे में जागरूक कर रहा है। औद्योगीकरण एवं शहरीकरण के कारण कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है। किसानों को कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए नई तकनीकों से अवगत कराने की आवश्यकता है। किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित जीरो-टिलेज, लेजर लैवलिंग, बैड प्लांटिंग, ड्रिप व फव्वारा सिंचाई पद्धति, बायो गैस प्लांट, वर्मी कम्पोस्टिंग, हरी खाद आदि को अपनाने की आवश्यकता है। कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक किसानों को प्रेरित करें कि वे नई-नई तकनीकों को अपनाएं ताकि भारत सरकार का किसानों की आय 2022 तक दुगुनी करने का लक्ष्य प्राप्त हो सके। जलवायु परिवर्तन कृषि के लिए अनेक समस्याएं उत्पन्न कर रहा है, जो हमारे खाद्य उत्पादन को प्रभावित कर रहा है। बढ़ती आबादी व बदलते जलवायु में पैदावार को किस तरह बढ़ाएं यह सब उपाय करने की जिम्मेदारी हमारे कृषि वैज्ञानिकों के कंधों पर है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**09.03.2021**	--	--

हकृवि कुलपति प्रो. समर सिंह कल करेंगे स्वदेशी मेले का शुभारंभ

- पहले दिन हरियाणवी पॉप स्टार गजेन्द्र फोगाट मचाएंगे धमाल -

हिसार। स्वदेशी जागरण मंच की हिसार इकाई की ओर से 10 से 14 मार्च तक पुराने गर्वनमेंट कालेज के मैदान में लगने वाले हिसार गौरव स्वदेशी मेले का शुभारंभ सायं 4 बजे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह करेंगे। अध्यक्षता नगर निगम के मेयर गौतम सरदाना करेंगे। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी व उद्योगपति राजेश गुप्ता होंगे। इस मौके पर मुख्य वक्ता के रुप में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख प्रदीप शर्मा दीपक भाग लेंगे। मेला आयोजन समिति के प्रमुख अनिल गोयल व मेला संयोजक संजय सूरा ने बताया कि मेले के पहले दिन सायं 6 बजे हरियाणवी पॉप स्टॉर गजेन्द्र फोगाट अपनी प्रस्तुति से धमाल मचाएंगे। स्वदेशी वस्तुओं व हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगाये जा रहे इस मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मेले में हर रोज प्रातः योग व ध्यान शिविर के अलावा रोजाना हवन यज्ञ किया जाएगा। प्रतिभा विकास प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं, महिलाओं की प्रतियोगिता, हिसार में उत्पादित प्रदर्शनी, स्वदेशी वस्तुओं का बाजार, बच्चों के लिए झूले, सेल्फी प्वाइंट, ऊंठ, घोड़े व बैल गाड़ी की सवारी, भारत का ग्रामीण प्रदर्शन, विभिन्न तरह के व्यजंन, स्थानीय उत्पादित व निर्मित वस्तुओं की विशाल प्रदर्शनी व लक्की ड्रॉ आदि निकाले जाएंगे। मेले के दौरान हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये हरियाणवी सांग, हरियाणवी पॉप गायक व अन्य अनेक कार्यक्रमों के अलावा राष्ट्रीय स्तर का कवि सम्मेलन, भजन संध्या, रक्तदान शिविर आदि मुख्य आकर्षण रहेंगे। मेले में आने वाले लोगों के लिये प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	**09.03.2021**	--	--

अधिक पैदावार व आमदनी के लिए फसल विविधिकरण समय की मांग : डॉ. ए.के. सिंह

SHARE 0

एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) का विधिवत शुभारंभ

हिसार,
हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है तथा इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है। हरियाणा के अलग से अस्तित्व में आने के बाद फसलों का उत्पादन बढ़ा है तथा हरित क्रांति का उपयोग हरियाणा के किसानों ने सबसे ज्यादा करके देश के खाद्यान भंडार भरे हैं। हरित क्रांति के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सब किसानों एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयास से ही सम्भव हो पाया है। हरियाणा में आज भी बहुत से किसान गेहूं-चावल की परम्परागत खेती कर रहे हैं जिससे उनको खेती से अधिक आमदनी नहीं हो पा रही है। खेत से अधिक पैदावार व आमदनी के लिए हमें परम्परागत खेती छोड़कर कृषि विविधिकरण को अपनाना होगा।
यह बात भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. ए.के. सिंह ने मुख्य अतिथि के तौर पर हरियाणा कृषि विवि. में शुरू हुए कृषि मेले के ऑनलाइन उद्घाटन अवसर पर कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने की। मेले का मुख्य विषय 'फसल विविधिकरण' रखा गया है। मुख्य अतिथि ने कहा कि एचएयू का विस्तार शिक्षा निदेशालय अपने कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से विस्तार गतिविधियों जैसे प्रदर्शन प्लाट, प्रशिक्षण, खेत दिवस, किसान-वैज्ञानिक परिचर्चा, लघु किसान मेले आदि के द्वारा किसानों को समय-समय पर कृषि विविधीकरण के बारे में जागरूक कर रहा है। औद्योगीकरण एवं शहरीकरण के कारण कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है। किसानों को कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए नई तकनीकों से अवगत कराने की आवश्यकता है। किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित जीरो-टिलेज, लेजर लेवलिंग, बेड प्लांटिंग, ड्रिप व फव्वारा सिंचाई पद्धति, बायो गैस प्लांट, वर्मी कम्पोस्टिंग, हरी खाद आदि को अपनाने की आवश्यकता है। कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक किसानों को प्रेरित करें कि वे नई-नई तकनीकों को अपनाएं ताकि भारत सरकार का किसानों की आय 2022 तक दुगुनी करने का लक्ष्य प्राप्त हो सके। जलवायु परिवर्तन कृषि के लिए अनेक समस्याएं उत्पन्न कर रहा है, जो हमारे खाद्य उत्पादन को प्रभावित कर रहा है। बढ़ती आबादी व बदलते जलवायु में पैदावार को किस तरह बढ़ाएं यह सब उपाय करने की जिम्मेदारी हमारे कृषि वैज्ञानिकों के कंधों पर है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे जल संसाधनों का बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय तथा उन्नत तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबंध कर सकते हैं। साथ ही बूंद-बूंद पानी का सदुपयोग करें तथा ऐसा करने के लिए भूमिगत पाईप लाइन, टपका सिंचाई तथा फव्वारा सिंचाई जैसी पद्धतियां अपनाएं। इस अवसर पर सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर एक-एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया गया। साथ ही दो पुस्तकों का भी विमोचन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 10.2.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....8.....

कानून की नजर में सभी समान : एडवोकेट दूहन

हिसार। एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से गांव न्यौली कलां में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम किया। कार्यक्रम कॉलेज में महिला सशक्तीकरण व लिंग भेद मिटाने के लिए चल रही तीन वर्षीय परियोजना के तहत किया। मुख्य वक्ता एडवोकेट गौरव दूहन ने बताया कि कानून की नजर में महिला व पुरुष एक समान हैं। उन्होंने ग्रामीणों को संविधान में लिखित मौलिक अधिकारों की जानकारी भी दी। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**09.03.2021**	--	--

कानून की नजर में महिला व पुरूष एक समानः एडवोकेट दूहन

एचएयू के होम साइंस कॉलेज की ओर से गांव न्यौली कलां में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से गांव न्यौली कलां में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज में महिला सशक्तिकरण व लैंगिक भेद मिटाने के लिए चल रही तीन वर्षीय परियोजना के तहत किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता एडवोकेट गौरव दूहन ने बताया कि संविधान के अनुसार देश के किसी भी नागरिक के साथ लैंगिक आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। कानून की नजर में महिला व पुरुष एक समान हैं। उन्होंने ग्रामीणों को संविधान में लिखित मौलिक अधिकारों जैसे समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, शिक्षा संबंधी अधिकार आदि से अवगत कराया।

हिसार। गांव बुड़ाक में जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते एडवोकेट गौरव दूहन व मौजूद ग्रामीण।

परियोजना की मुख्य अन्वेषक डॉ. कृष्णा दूहन ने बताया कि परियोजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में लिंग भेद कम करने हेतु मॉडल विकसित करने के लिए बुड़ाक गांव को चुना गया है। परियोजना की सह-अन्वेषक डॉ. किरण सिंह ने बताया कि महाविद्यालय के वैज्ञानिकों की टीम नियमित रूप से गांव में जाकर लैंगिक संवेदीकरण के लिए कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. निगम, डॉ. पूनम कुमारी तथा डॉ. कोमल का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाएं व पुरूष मौजूद रहे।

जरूरत पड़ने पर महिलाएं कर सकती हैं मददः डॉ. पूनम मलिक

कार्यक्रम का संचालन परियोजना की सह अन्वेषक डॉ. पूनम मलिक ने किया। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को समझाया कि इस जानकारी से महिलाएं जरूरत पड़ने पर स्वयं अपनी या अपने आस-पास किसी और जरूरतमंद महिला की मदद व सुरक्षा कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन अनुसंधान निदेशक डॉ.एस. के. सहरावत व कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला डांडा की देखरेख में किया गया। इस परियोजना का संचालन राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कोष के तहत किया जा रहा है। परियोजना महाविद्यालय के चार विभागों द्वारा चलाई जा रही है। परियोजना का उद्देश्य समाज में लैंगिक असमानता को दूर करना तथा ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
गुडगांव मेल	**09.03.2021**	--	--

आत्मनिर्भर बनें महिलाएं, तभी सशक्त होगा समाज : डॉ. सीमा रानी

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

हिसार, 8 मार्च। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित एबिक में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय वुमन इन बिजनेस-महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम था। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉक्टर सीमा रानी ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनना चाहिए, तभी एक सशक्त समाज की कल्पना की जा सकती है। उन्होंने कहा कि 8 मार्च यानी आज दुनियाभर में लोग अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मना रहे हैं। इसके पीछे का लक्ष्य है समाज में महिलाओं को बराबरी का अधिकार देना और समाज में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देना। इसी के चलते इस वेबिनार का एजेंडा- महिलाओं के रूप में एक व्यवसाय शुरू करना, हमें व्यवसाय में और अधिक महिलाओं की आवश्यकता क्यों है और महिलाओं द्वारा निर्मित, महिलाओं द्वारा संचालित, महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसाय था। डॉ. आशा कपूर अहलावत ने महिला उद्यमी-एक मुहिम के तहत महिला उद्यमियों द्वारा सामना की जा रही समस्याओं एवं चुनौतियों के बारे में चर्चा की ताकि महिलाएं घर की दहलीज से बाहर निकलकर परिवार ही नहीं बल्कि उद्योग भी चलाएं। डॉ. सुषमिता ने इनोवेटिव एंड एंटरप्रेन्योरियल बिहेवियर-बसटिंग द मिथ्स में लैंगिक असमानता के बारे में बात की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
गुडगांव मेल	**10.03.2021**	--	--

कृषि विज्ञान केंद्र मंडकोला की चारदीवारी का एमएलए प्रवीण डागर ने किया उद्घाटन

शौकत अली/गुड़गांव मेल

हथीन,9 मार्च। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र, मंडकोला की चारदीवारी का उद्घाटन हथीन के विधायक प्रवीन डागर द्वारा किया गया। हथीन क्षेत्र के विधायक श्री डागर के कर कमलों से नारियल फोड़कर किया गया। उद्घाटन करने से पहले विधायक प्रवीन डागर कृषि विज्ञान केंद्र के डा. धर्मवीर पाठक, वरिष्ठ संयोजक व स्टाफ के अन्य साथियों द्वारा फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। विधायक प्रवीन डागर ने कहा कि इस चारदीवारी के बनाने में लगभग 90 लाख रुपये की लागत आएगी। विधायक श्री प्रवीण डागर के अथक प्रयासों से ही कृषि विज्ञान केन्द्र मण्डकौला के भवन विस्तार एंव मैन गेट के निर्माण हेतु 1.40 करोड़ रुपये की घोषणा की गई है। डा. पाठक ने

विधायक प्रवीण डागर व कुलपति प्रोफेसर समर सिंह का हार्दिक आभार प्रकट किया।

विधायक ने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र के चहुंमुखी विकास में धन का कोई अभाव नहीं आएगा। यह केन्द्र इतना विकसित होगा कि प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में अपनी सेवाएं देने में अग्रणी रहेगा। इस अवसर पर पूजा अर्चना स्वामी मुरारी शरण दास गिरी महन्त बाबा नंददास मन्दिर, मण्डकौला द्वार कराई गई। इस अवसर पर बीर सिंह डागर पूर्व सरपंच मण्डकौला विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे । कृषि विज्ञान केन्द्र के विकास में बीर सिंह डागर के सहयोग की भी सराहना की गई। इस मौके पर अन्य गणमान्य व्यक्तियों में महेन्द्र महाशय जी, ज्ञानसिंह, करतार डागर, मुकेश एडवोकेट, रामजीत डागर, राजमल डागर, रोहतास डागर, सुभाष भगत आदिअन्य मौजूद रहे।